जब जब मैं खाटू आऊं | Akshit Garg

जब जब मैं खाटू आऊं सुकूं मिल जाए
खाटू से वापिस जाऊं मन घबराये
मेरे बाबा तेरी किरपा से मैं जी रहा हूँ
सांवरिया तेरे प्यार में मैं पल रहा हूँ
जब जब मैं खाटू आऊं ....

मेरी हार में बाबा मुझे जीत दिलाते हैं
बुरे वक़्त में भी मेरे मेरा साथ निभाते हैं
मेरे बाबा मेरी ख्वाहिशें पूरी कर रहा है
सांवरिया मुझे प्यार भी बड़ा कर रहा है
जब जब मैं खाटू आऊं ....

तेरे बिन ये अब ज़िन्दगी मुझको ना भाती है
मुझे पल हर पल बाबा तेरी याद सताती है
मेरे बाबा अपनी सेवा में ही रखना
सांवरिया चरणों की धूळ में ही रखना

अक्षित नालायक को बाबा अपना लेना
अनितम साँसों में मेरी मुझे गोद में लेना
मेरी आँखें तेरे नैनो में खो जाएँ
लब हँसके दिल तेरी गोद में सो जाएँ
जब जब मैं खाटू आऊं ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%86%e0%a4%8a%e0%a4%82-akshit-garg/